

दो पुलिया के निर्माण के नाम पर नौडिहवां पंचायत में भ्रष्टाचार का आरोप

एक पुलिया बनी, दूसरी का निर्माण नहीं; लाखों रुपये की राशि निकाले जाने की शिकायत, जनपद के अधिकारियों की भूमिका पर भी उठे सवाल

सिंगरौली। जनपद पंचायत चितरंगी अंतर्गत ग्राम पंचायत नौडिहवां में विकास कार्यों के नाम पर सरकारी राशि के कथित दुरुपयोग का मामला सामने आया है। पंचायत में दो पुलिया निर्माण के लिए स्वीकृत राशि में से एक पुलिया का निर्माण किए जाने और दूसरी पुलिया का निर्माण कराए बिना ही भुगतान निकाल लिए जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। मामले ने पंचायत स्तर से लेकर जनपद पंचायत तक की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से कराने की मांग की है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नौडिहवां पंचायत में दो अलग-अलग स्थानों पर पुलिया निर्माण का कार्य प्रस्तावित था। आरोप है कि दोनों कार्यों के लिए करीब 20 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। इनमें से एक पुलिया का निर्माण तो कराया गया, लेकिन दूसरी पुलिया मौके पर



अस्तित्व में ही नहीं है। इसके बावजूद संबंधित मद से राशि आहरित किए जाने की बात सामने आ रही है। यदि शिकायत सही पाई जाती है तो यह सरकारी धन के उपयोग और पंचायत में कराए जा रहे विकास कार्यों की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि जनपद पंचायत चितरंगी के जिम्मेदार अधिकारियों की कथित मिलीभगत के कारण पंचायतों में अनियमितताओं को बढ़ावा मिल रहा है। ग्रामीणों ने जिला पंचायत सीईओ से मांग की है कि नौडिहवां पंचायत में स्वीकृत दोनों पुलिया

के कार्यों की मौके पर जांच कराई जाए। साथ ही तकनीकी स्वीकृति, माप पुस्तिका, बिल-वाउचर, भुगतान रिकॉर्ड और कार्य की वास्तविक लागत का भौतिक सत्यापन कराया जाए। जांच में यदि सरकारी राशि के दुरुपयोग की पुष्टि होती है तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ वसूली और नियमानुसार कार्रवाई की जाए। अब देखना यह है कि शिकायतों और आरोपों के बीच जिला प्रशासन इस मामले में जांच कराकर हकीकत सामने लाता है या फिर पंचायत में विकास कार्यों के नाम पर सरकारी धन के इस्तेमाल पर उठ रहे सवाल यूं ही

अनुत्तरित बने रहते हैं।

तीन लाख में काम समेटने का आरोप

सूत्रों के मुताबिक जिस पुलिया का निर्माण कराया गया है उसके कार्य में भी गुणवत्ता और लागत को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। आरोप है कि करीब 20 लाख रुपये के प्रस्तावित दोनों कार्यों के स्थान पर एक पुलिया का निर्माण महज तीन लाख रुपये के आसपास में कराकर औपचारिकता पूरी कर दी गई। शेष राशि के उपयोग को लेकर भी ग्रामीणों में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। सूत्रों की बातों पर गौर करें तो इस पूरे खेल में जनपद चितरंगी के जिम्मेदार अधिकारी और दलाल के साठगांठ से खेला जा रहा है। इस पूरे खेल में सरपंच कि कहीं भी भूमिका नहीं बताई जाती है। सरपंच को अंधेरे में रखकर दलाल और सचिन और रोजगार सहायक मिलकर पंचायत

के धनराशि को हजम कर रहे हैं।

पंचायत में कथित दलाल की भूमिका पर सवाल

ग्रामीणों का आरोप है कि नौडिहवां पंचायत में निर्वाचित प्रतिनिधियों और पंचायत कर्मचारियों के बजाय एक कथित बिचौलिये का प्रभाव अधिक है। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि उक्त व्यक्ति स्वयं को भाजपा नेता बताकर पंचायत के कार्यों में दखल देता है। आरोप यह भी है कि पंचायत के विकास कार्यों में उसकी भूमिका के कारण पारदर्शिता प्रभावित हो रही है। इस मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि बिना निर्माण के किसी कार्य की राशि का भुगतान हुआ है तो मौके पर सत्यापन किस स्तर पर किया गया। पंचायत के कार्यों की तकनीकी जांच, माप पुस्तिका, कार्य पूर्णता प्रमाण-पत्र और भुगतान संबंधी अभिलेखों की जांच से ही स्थिति स्पष्ट हो सकती है।

5000 से अधिक आबादी वाले ग्राम पंचायतों को नगर परिषद की तर्ज पर किया जाएगा विकसित : सीईओ जिला पंचायत

सीईओ जिला पंचायत ने किया ग्राम पंचायत खुटार एवं ढेंकी का निरीक्षण

सिंगरौली। जिले में ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र एवं सुनियोजित विकास की दिशा में जिला पंचायत द्वारा विशेष पहल की जा रही है। इसी क्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिंगरौली संघ प्रिय, आईएसएस द्वारा ग्राम पंचायत खुटार एवं ग्राम पंचायत ढेंकी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पंचायत एवं जनपद पंचायत के अधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न विकास कार्यों, पंचायत की आय के स्रोतों तथा उपलब्ध संसाधनों की विस्तृत समीक्षा की गई। सीईओ जिला पंचायत ने ग्राम पंचायत खुटार में पंचायत की स्वयं की आय के स्रोतों की जानकारी लेते हुए आय बढ़ाने के लिए प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए। पंचायत में उपलब्ध राशि से स्वीकृत कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्माणधीन मीटिंग हॉल एवं 9 दुकानों का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने ग्राम पंचायत में स्वच्छता व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए घरों एवं मार्केट क्षेत्र से नियमित कचरा



संग्रहण व्यवस्था प्रारंभ करने के निर्देश दिए। इसके लिए डीजल आधारित कचरा संग्रहण वाहन क्रय करने की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। सीईओ जिला पंचायत ने निर्देशित किया कि जिले के 5000 से अधिक आबादी वाले ग्राम पंचायतों में आगामी एक माह के भीतर संपत्ति कर एवं जल कर की वसूली तथा कचरा संग्रहण व्यवस्था प्रारंभ की जाए। उन्होंने कहा कि अधिक आबादी वाले ग्राम पंचायतों में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए उन्हें नगर परिषद की तर्ज पर विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाए। इसके लिए स्वच्छता, राजस्व संग्रहण एवं मूलभूत नागरिक सुविधाओं की व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाए।

खुटार पंचायत में निर्माण कार्यों में अनियमितता संबंधी प्राप्त शिकायतों के संबंध में सीईओ जिला पंचायत द्वारा संबंधित कार्यों का मौके पर निरीक्षण कर जांच की गई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जांच में अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिला पंचायत ने संबंधित मामलों में वसूली योग्य राशि की वसूली के लिए कार्यालयीन दिवस में संबंधितों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि शासकीय राशि एवं विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षक ही आदर्श समाज व राष्ट्र निर्माण के सच्चे शिल्पकार : विश्वमित्र

सिंगरौली। विधानसभा क्षेत्र सिहावल अंतर्गत शा.उल्कृष्ट उ.मा. वि. देवसर में राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर खण्ड स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन क्षेत्रीय विधायक विश्वामित्र पाठक के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां वीणावादिनी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के छाया चित्र पर माल्यार्पण एवं नमन कर विधिवत शुरुआत हुई तत्पश्चात विद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में मुख्य



अतिथि विश्वामित्र पाठक विधायक सिहावल ने अपने सारांशित उद्बोधन में कहा कि शिक्षक समाज को सही दिशा देने तथा बेहतर भविष्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षकों द्वारा दिए गए ज्ञान संस्कार एवं मार्गदर्शन से ही आदर्श समाज व राष्ट्र का निर्माण होता है। मुख्य अतिथि ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जीवनी

एवं महान व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान अतुलनीय है उन्होंने ज्ञान संस्कार और शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का मार्ग प्रसस्त किया, उनके आदर्श सदैव हम सभी को प्रेरणा देते रहेंगे। मुख्य अतिथि ने उपस्थित सेवानिवृत्त शिक्षकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकानाएं देते हुए उनसे शेष जीवन में भी समाज का मार्गदर्शन करते रहने का आग्रह किया। कार्यक्रम में उपस्थित प्राचार्य गणों एवं सेवा निवृत्त शिक्षकों ने भी अपने अनुभव एवं विचार साझा किए।

एनटीपीसी सिंगरौली में शिक्षकों के सम्मान के साथ मनाया गया शिक्षक दिवस

सिंगरौली। एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता एवं सम्मान प्रकट करने के उद्देश्य से शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन मनोरंजन केंद्र सभागार, शक्तिनगर में किया गया। समारोह में ई. प्रभाकर राव, परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक, एनटीपीसी सिंगरौली के साथ एनटीपीसी सिंगरौली टाउनशिप स्थित विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर सेंट जोसेफ स्कूल के प्राचार्य फादर विसेंट पेरेरा, केंद्रीय विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती प्रीति शर्मा, विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य अरविंद मौर्य,



विवेकानंद जूनियर स्कूल के प्राचार्य गोपाल तिवारी, डॉ. बी. आर. अंबेडकर विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप कुमार, टाइन टीट्स की प्राचार्या श्रीमती पल्लवी मालेकर, राजकीय इंटर कॉलेज के प्राचार्य डॉ.

भूमिका को दर्शाती एक लघु वीडियो प्रस्तुति के साथ हुआ। इस अवसर पर ई. प्रभाकर राव, परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक, एनटीपीसी सिंगरौली ने अपने संबोधन में शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके समर्पण एवं योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान करने का कार्य नहीं करते, बल्कि वे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, चरित्र और मूल्यों का निर्माण कर उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में मार्गदर्शन देते हैं। राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत करने में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके समर्पण और निष्ठा के प्रति सम्मान

एवं आभार व्यक्त करना हम सभी का दायित्व है। इस अवसर पर अंजन कुमार पाल, महाप्रबंधक (ऑपरेशन एवं एफएम), सीमंत्र घोष, महाप्रबंधक (मेंटेनेंस एवं एडीएम) तथा एके सिंह (तकनीकी सेवाएं) भी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान सभी प्राचार्यों को शिक्षा के क्षेत्र में उनके नेतृत्व एवं योगदान के लिए मंच पर सम्मानित किया गया। साथ ही, सभी शिक्षकों को उनके समर्पण, निष्ठा एवं मूल्यवान सेवाओं के प्रति आभार स्वरूप उपहार भेंट किए गए। प्राचार्यों ने भी इस अवसर पर अपने विचार साझा किए और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में शिक्षकों की भूमिका को रेखांकित किया।

पत्नी की हत्या कर आत्महत्या का रूप देने की कोशिश, 24 घंटे में दो आरोपित गिरफ्तार

पीएम रिपोर्ट में गला घोटकर हत्या की पुष्टि, दूसरी पत्नी के साथ मिलकर शव को फांसी पर लटकाने का रचा था षड्यंत्र

सिंगरौली। सासन चौकी पुलिस ने पत्नी की हत्या कर उसे आत्महत्या का रूप देने के मामले में दो आरोपितों को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मृतका के पति ने दूसरी पत्नी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया और साक्ष्य छिपाने के लिए शव को फांसी पर लटकाने का प्रयास किया था। पुलिस के मुताबिक, 2 सितंबर को ग्राम बसोड़ी निवासी अंगद प्रसाद कुशवाहा ने अपनी पत्नी लीलावती कुशवाहा द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने की सूचना दी थी। सूचना पर पुलिस



ने मर्ग कायम कर शव का पंचनामा कराया और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बैदुन भेजा। परिजनों के बयान में मृतका के मायके पक्ष ने अंगद प्रसाद पर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी मृत्यु गला घोटने से होना सामने

आया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि अंगद प्रसाद ने अपनी दूसरी पत्नी संगीता शाह से फोन पर बातचीत कर लीलावती की हत्या की योजना बनाई थी। पुलिस के अनुसार, 2 सितंबर की सुबह करीब 9-30 बजे योजना के तहत अंगद ने लीलावती का गला

दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए उसने बासमती कुशवाहा के साथ मिलकर शव को पुराने घर में ले जाकर फांसी पर लटकाने का प्रयास किया। प्रयास असफल होने पर शव को जमीन पर लिटा दिया गया। पुलिस ने विवेचना के आधार पर अंगद प्रसाद कुशवाहा और बासमती कुशवाहा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। कार्रवाई में चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक बीएल बंसल सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पिकअप में चोरी का लोहा ले जाते चालक गिरफ्तार, पांच लाख का माल जब्त

सिंगरौली। सरई थाना पुलिस ने चोरी के लोहे के सामान को पिकअप वाहन में लादकर ले जाने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर वाहन सहित करीब पांच लाख रुपये कीमत का सामान जब्त किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी पिकअप क्रमांक एमपी 66 जी 2248 में चोरी का लोहा लादकर रेलवे स्टेशन रोड सरई की ओर से ले जा रहा था। कार्रवाई के बाद पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर वाहन को सुरक्षित थाना परिसर में खड़ा कराया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पिकअप अधीक्षक सिंगरौली विभाग के.एम. (भापुरे) एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा के निर्देशन तथा एसडीओपी देवसर गायत्री तिवारी के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सरई



निरीक्षक प्रहलाद सिंह मरकाम के नेतृत्व में पुलिस टीम गस्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि पिकअप वाहन क्रमांक एमपी 66 जी 2248 में चोरी का लोहा का सामान लोड कर रेलवे स्टेशन रोड सरई की ओर से कस्बा क्षेत्र में ले जाया जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध पिकअप वाहन को रोककर उसकी जांच की। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें

बड़ी मात्रा में लोहे का सामान मिला। पुलिस के मुताबिक वाहन में रखे सामान के संबंध में चालक से पूछताछ की गई, लेकिन वह उसके संबंध में कोई संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। चोरी के सामान की आशंका होने पर पुलिस ने वाहन और उसमें लदे लोहे के सामान को जब्त कर लिया। पुलिस ने आरोपी चालक की पहचान जितेंद्र कुमार गुप्ता, पिता कन्हैयालाल गुप्ता, उम्र 23 वर्ष, निवासी ग्राम मझौली, रेलवे स्टेशन रोड, थाना सरई, जिला सिंगरौली के रूप में की है। जब्त सामान में छड़, एंगल, सरिया, वाहन के मशीनरी पार्ट्स, लोहे का खंभा सहित अन्य लोहे की सामग्री शामिल बताई गई है। पुलिस ने जब्त सामग्री की कुल कीमत लगभग 5 लाख रुपये आंकी है।

एनटीपीसी विंध्याचल में शिक्षक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में उमंग भवन ऑडिटोरियम में शिक्षक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों के अमूल्य योगदान को उत्साह एवं गरिमा के साथ सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) किशोर कुमार होता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) मणिक्यन सुरेश, महाप्रबंधक (चिकित्सा सेवाएँ) डॉ. विनोद कुमार भाराली, महाप्रबंधक (मेंटेनेंस एवं एडीएम) निर्मल कुमार सिंह, महाप्रबंधक (वीएसआर ओवरहालिंग) एच. पी. देवांगन, महाप्रबंधक (रसायन) टी. एन. सीतारमन, महाप्रबंधक (मानव संसाधन)



श्रीमती रुमा दे शर्मा, डीपीएस, डीपॉल, सरस्वती शिशु मंदिर, टाइन टीट्स, बाल भवन एवं श्री चैतन्य कोचिंग अकादमी के प्राचार्य एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ

शिक्षकों के स्वागत, उन्हें गुलाब के पुष्प एवं स्मृति-चिन्ह भेंट करने के साथ हुआ। तत्पश्चात दीप प्रज्वलन एवं स्वागत संबोधन का आयोजन किया गया। स्वागत भाषण में महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्रीमती रुमा दे शर्मा ने

शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु समाज के पथप्रदर्शक होते हैं, जो ज्ञान, संस्कार और प्रबोधन के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समारोह के दौरान रविंद्र मिश्रा द्वारा स्वरचित गीत की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। शिक्षकों के मनोरंजन हेतु फन गेम्स, क्विज प्रतियोगिताएँ एवं स्केटिंग डांस जैसी विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें सभी शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। वरिष्ठ अधिकारियों एवं अतिथियों ने शिक्षकों के समर्पण, निष्ठा एवं उत्कृष्ट योगदान की सराहना की। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षकों का विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षक दिवस की खुशी साझा करते हुए केक कटिंग का आयोजन भी किया

गया। अपने संबोधन में कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) किशोर कुमार होता ने शिक्षकों को उनकी निष्ठा, समर्पण एवं अथक प्रयासों के लिए बधाई देते हुए कहा कि शिक्षक ही विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारकर उन्हें उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर करते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज एवं राष्ट्र निर्माण के वास्तविक शिल्पकार हैं, जिनका योगदान सदैव प्रेरणादायी और अतुलनीय रहेगा। इस अवसर पर डीपीएस, डीपॉल, सरस्वती शिशु मंदिर, टाइन टीट्स, बाल भवन एवं चैतन्य कोचिंग अकादमी के प्राचार्यों को मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। प्राचार्यों ने इस सराहनीय पहल के लिए एनटीपीसी प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया।



जन-विश्वास अभियान के तहत जिलास्तरीय शिविर मझौली में सांसद-विधायक ने क्षेत्रीय समस्याओं पर अधिकारियों को दिए निर्देश

तीन समूहों को 18 लाख के स्वीकृति आदेश के साथ स्वास्थ्य शिविर, पौधरोपण और साइकिल वितरण

सीधी। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत मझौली में आयोजित शिविर में ग्रामीणों की स्थानीय समस्याओं पर सीधी सुनवाई हुई। बिजली, सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और विस्थापन से जुड़े मुद्दे सामने आए। अधिकारियों ने कई प्रकरणों का मौके पर निराकरण किया, जबकि शेष मामलों के लिए संबंधित विभागों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इस दौरान तीन स्न-सहायता समूहों को 18 लाख रुपये के स्वीकृति आदेश, लाइली लक्ष्मी, संबल एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को स्वीकृति आदेश प्रदान किए गए। स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीणों की जांच एवं परामर्श किया गया, जबकि आईटीआई परिसर में पौधरोपण और बच्चों को साइकिल वितरण भी हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार सीधी जिले में 7 अगस्त 2026 से 8 जनवरी 2027 तक मुख्यमंत्री जन-विश्वास



अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत सेवाओं का समय-सीमा में प्रदाय सुनिश्चित करने के साथ शासन की योजनाओं को पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने पर जोर है।

सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने क्षेत्र में बिजली की समस्या को देखते हुए विद्युत विभाग को ट्रांसफार्मर लगाने का कार्य शीघ्र पूरा करने को कहा। उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्यों में गति लाने तथा पाइपलाइन का काम पूरा होने के बाद क्षतिग्रस्त सड़कों को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। विस्थापन के संबंध में उन्होंने कहा कि प्रक्रिया पूरी होने तक प्रभावित ग्रामीणों को स्कूल, स्वास्थ्य, सड़क और अन्य मूलभूत

सुविधाएं मिलती रहनी चाहिए। उन्होंने विस्थापन की राशि का सावधानीपूर्वक उपयोग करने और ठगी से बचने की सलाह दी।

सांसद ने मझौली क्षेत्र के स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया। उन्होंने महुआ के लड्डू-बिस्कुट और कटहल चिप्स जैसे उत्पादों की बेहतर मार्केटिंग तथा महिलाओं को आजीविका गतिविधियों से जोड़ने की बात कही।

विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने कहा कि अभियान का उद्देश्य शासन और नागरिकों के बीच सीधे संवाद के जरिए समस्याओं का समाधान करना है। उन्होंने आधार कार्ड में नाम एवं अन्य विवरण की अशुद्धियों के सुधार के लिए अभियान चलाने की आवश्यकता बताई, ताकि

हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी न हो।

उन्होंने सम्मान निधि योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने, बांस रोपण के माध्यम से ग्रामीणों को आजीविका से जोड़ने, आपदा से हुए नुकसान का सर्वे कर मुआवजा दिलाने तथा क्षेत्र में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। स्कूलों का समय पर संचालन करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने अधिकारियों से कहा कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का औपचारिक निराकरण करने के बजाय शिकायतकर्ता की संतुष्टि को प्राथमिकता दी जाए। लोक सेवा गारंटी के लंबित मामलों को निर्धारित समय-सीमा में निपटारें और उनकी नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को छोटे-छोटे कामों के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। अधिकारी संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ काम करें। मझौली के शासकीय आईटीआई कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम में लक्ष्मी समूह पारसिली, आदि शक्ति समूह गजरी और रमाबाई अंबेडकर समूह पांड को 6-6 लाख रुपये के स्वीकृति आदेश दिए गए। तीनों

समूहों को कुल 18 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई। इसके अलावा लाइली लक्ष्मी योजना, संबल योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना के भी स्वीकृति आदेश प्रदान किए गए।

शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई गई। विभिन्न विभागों ने अपने स्टॉल लगाकर योजनाओं और सेवाओं की जानकारी दी तथा पात्र हितग्राहियों की आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कराईं। कार्यक्रम के दौरान आईटीआई परिसर में पौधरोपण किया गया और पात्र स्कूली बच्चों को साइकिलें वितरित की गईं।

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौम्या आनंद, वनमंडलाधिकारी प्रीति अहिरवार, उप संचालक संजय टाडगर रिजर्व सीधी राजेश कन्ना टी. सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। अध्यक्ष नगर परिषद मझौली शंकरलाल गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य छोट्ट पयासी, एसडीएम मझौली आकाश अग्रवाल, जनपद पंचायत सीईओ सुरभि श्रीवास्तव सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे।

विकासखंड स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में 151 शिक्षक सम्मानित

विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को किया सम्मानित

सीधी। शिक्षक दिवस के अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भदौरा में विकासखंड स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 151 शिक्षकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर शिक्षकों के योगदान को रेखांकित करते हुए उन्हें विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और समाज निर्माण का आधार बताया गया।



विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने कहा कि शिक्षक समाज में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले व्यक्तियों में शामिल हैं। शिक्षक केवल विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम का ज्ञान नहीं देते, बल्कि उनके व्यक्तित्व, संस्कार और सोच को आकार देते हैं। एक शिक्षक का मार्गदर्शन विद्यार्थी के जीवन की दिशा बदल सकता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचलों में सीमित संसाधनों के बीच शिक्षक जिस समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य कर रहे हैं, वह सराहनीय है।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ाना शिक्षक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। आज के दौर में शिक्षा के साथ विद्यार्थियों में अनुशासन,

आत्मविश्वास, नैतिक मूल्यों और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी आवश्यक है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे प्रत्येक विद्यार्थी को आगे बढ़ने का अवसर दें और उसकी क्षमता के अनुरूप मार्गदर्शन करें।

विधायक ने कहा कि शासन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए अनेक सुविधाएं एवं योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनका प्रभावी क्रियावन्धन सुनिश्चित करते हुए अधिक से अधिक पात्र विद्यार्थियों तक लाभ पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे बदलते समय के अनुरूप नई तकनीक एवं नवाचारों को अपनाते हुए शिक्षण कार्य को और प्रभावी

बनाएं।

समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 151 शिक्षकों को सम्मानित किए जाने पर विधायक ने सभी शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का सम्मान वास्तव में शिक्षा और ज्ञान के प्रति समाज के सम्मान का प्रतीक है। शिक्षकों के प्रयासों से ही मजबूत, संस्कारवान और जिम्मेदार पीढ़ी तैयार होती है।

कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह में सम्मानित शिक्षकों ने भी अपने अनुभव साझा किए और शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कलेक्टर ने सक्षम सीडब्ल्यूएसएन छात्रावास मधुरी में दिव्यांग बच्चों के साथ मनाई जन्माष्टमी बच्चों की श्रीकृष्ण झांकी, बघेली सोहर और बधाई गीतों ने बांधा समां

सीधी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर कलेक्टर विकास मिश्रा ने सक्षम सीडब्ल्यूएसएन छात्रावास, मधुरी में दिव्यांग बच्चों के साथ जन्माष्टमी का पर्व आत्मीयता एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस दौरान जिला परियोजना समन्वयक विनय मिश्रा भी उपस्थित रहे। दिव्यांग बच्चों ने छात्रावास में भगवान श्रीकृष्ण की आकर्षक झांकी सजाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ आयोजन में सहभागिता की। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों द्वारा बघेली सोहर एवं बघेली बधाई



गीतों का मनमोहक प्रस्तुतिकरण किया गया। लोक संस्कृति से जुड़ी इन प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को विशेष और भावपूर्ण बना दिया।

इस अवसर पर कलेक्टर ने बच्चों के साथ आत्मीय संवाद किया तथा उनकी पढ़ाई, दिनचर्या और छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे को

समान अवसर, सम्मान और स्नेह मिलना चाहिए। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की प्रतिभा और क्षमताओं को प्रोत्साहित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए। कार्यक्रम के पश्चात सभी बच्चे एवं उपस्थित अभिभावक एक साथ बैठकर भोजन में शामिल हुए। इस दौरान कलेक्टर विकास मिश्रा ने स्वयं अपने हाथों से दिव्यांग बच्चों को भोजन परीक्षा और उन्हें भोजन कराया। कलेक्टर की इस आत्मीय पहल से बच्चों और उनके अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर भव्य भजन संध्या, भक्तिरस में डूबा गोपालदास मंदिर विधायक रीती पाठक ने दी जन्माष्टमी की शुभकामनाएं, कलेक्टर सहित गणमान्यजन रहे उपस्थित

सीधी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा गोपालदास मंदिर आश्रम स्थित राम मंदिर में भव्य भजन संध्या एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक सीधी रीती पाठक एवं कलेक्टर विकास मिश्रा की उपस्थिति रही। बड़ी संख्या में



श्रद्धालुओं एवं संगीतप्रेमियों ने भजन संध्या में सहभागिता कर देर रात तक भक्ति संगीत का आनंद लिया। इस अवसर पर विधायक ने जिलेवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि

भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें धर्म, सत्य, कर्तव्य और लोककल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। श्रीकृष्ण की शिक्षाएं आज भी जीवन में सकारात्मकता, सद्भाव और कर्म के प्रति समर्पण का संदेश देती हैं। उन्होंने कामना की कि जन्माष्टमी का यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और नई ऊर्जा लेकर आए।

भजन संध्या में गायक आदर्श मिश्र एवं गायिका मनीषा दुबे ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति से वातावरण को कृष्णमय बना दिया। श्रीकृष्ण के भजनों एवं भक्तिगीतों पर श्रद्धालु भक्तिभाव में झूमते नजर आए। तबला वादक हिमांशु उर्मलिया, परकुशन पर विकास पाण्डेय तथा कीबोर्ड पर सुमित मोय्य ने शानदार संगीत संगत प्रदान की।

विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने कहा कि शिक्षक की जिम्मेदारी केवल विषय पढ़ाने तक सीमित नहीं है। एक शिक्षक विद्यार्थी का आत्मविश्वास बढ़ाने, उसकी जिज्ञासा को प्रोत्साहित करने और उसके

छात्र सहायता केंद्र कंप्यूटर प्वाइंट में मनाया गया शिक्षक दिवस

सीधी। छात्र सहायता केंद्र कंप्यूटर प्वाइंट में शिक्षक दिवस का पर्व बेहद हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रखर छात्र नेता शिवम शुक्ला उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुरुआत भारत के पूर्व राष्ट्रपति और महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद संस्थान के छात्रों ने अपने गुरुजनों के सम्मान में

कई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं और गीत व भाषण के माध्यम से शिक्षकों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। मुख्य अतिथि छात्र नेता शिवम शुक्ला ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक केवल किताबी ज्ञान नहीं देते, बल्कि वे हमारे व्यक्तित्व का निर्माण कर हमें समाज में एक सही दिशा दिखाते हैं। आज के डिजिटल युग में कंप्यूटर और तकनीकी शिक्षा युवाओं के भविष्य के लिए सबसे मजबूत स्तंभ

है, और यह संस्थान इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने सभी छात्रों को अनुपमसित रहकर अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। संस्थान के छात्र छात्राओं और शिक्षकों का स्मृति चिन्ह और शॉल भेंट कर स्वागत व आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्रों और संस्थान के स्टाफ ने मिलकर केक काटा और एक-दूसरे को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं।

सीधी पब्लिक स्कूल में कृष्ण जन्माष्टमी पर अनोखा आयोजन खेल-खेल में बच्चों ने परास्त किया आज का कालिया नाग

सीधी। कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर सीधी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में एक अनोखे और शैक्षणिक खेल का आयोजन किया गया। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य छात्रों को पौराणिक कालिया नाग की कथा के माध्यम से आज के दौर की सबसे बड़ी चुनौती, यानी प्रदूषण और कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूक करना था।

खेल के आयोजन के लिए विद्यालय के मैदान में एक बड़ी नदी का प्रारूप क्रॉस पैटर्न में बनाया गया था। खेल में एक छात्र कालिया नाग की भूमिका में था, जो आधुनिक प्रदूषण का प्रतीक था। उसके पास तीन अलग-अलग रंगों के कागज थे, जिनमें हरा रंग गीले कचरे को, नीला रंग सूखे कचरे को और लाल रंग खतरनाक कचरे को दर्शाता था। नियम के अनुसार, कालिया नाग नदी में केवल उन्हीं स्थानों पर कदम

रखकर आगे बढ़ सकता था जहाँ उसने यह रंगीन कागज फैलाए हों। नदी से कुछ दूरी पर तीन अलग-अलग कूड़ेदान रखे गए थे और शेष छात्रों का कार्य नदी से कचरा उठकर उसे सही कूड़ेदान में डालना था। खेल में सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि यदि कचरा उठाते समय कालिया नाग किसी छात्र को स्पर्श कर लेता, तो वह छात्र कालिया नाग का एक नया फन बन जाता था। इसके साथ ही, उस नए फन बने छात्र को 5 नए रंगीन कागज दिए जाते थे, जिन्हें वह अपनी इच्छा अनुसार नदी में कहीं भी फैला सकता था। इस प्रकार, हरा पत्र जब भी कोई बच्चा कालिया नाग द्वारा पकड़ा जाता, तो न केवल कालिया नाग का दायरा बढ़ता, बल्कि नदी में कचरा और प्रदूषण का स्तर भी बढ़ता जाता था, जिससे खेल और अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाता था।

शासकीय मॉडल स्कूल मझौली में हर्षोल्लास से मनाया गया शिक्षक दिवस सांसद, विधायक एवं कलेक्टर ने शिक्षकों को दी शुभकामनाएं

सीधी। शासकीय मॉडल स्कूल मझौली में शिक्षक दिवस के अवसर पर गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक कुंवर सिंह टेकाम, कलेक्टर विकास मिश्रा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सौम्या आनंद तथा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मझौली आकाश अग्रवाल की उपस्थिति रही। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों को शिक्षा, अनुशासन और निरंतर मेहनत के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन और

शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को स्मरण करते हुए सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण और राष्ट्र के भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षकों का मार्गदर्शन विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ संस्कार, अनुशासन और जिम्मेदारी का भाव भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी भी 'परीक्षा पे चर्चा' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों से संवाद करते हैं और उनकी भावनाओं को समझते हुए उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।



विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने कहा कि शिक्षक की जिम्मेदारी केवल विषय पढ़ाने तक सीमित नहीं है। एक शिक्षक विद्यार्थी का आत्मविश्वास बढ़ाने, उसकी जिज्ञासा को प्रोत्साहित करने और उसके

सपनों को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के मार्गदर्शन से विद्यार्थी अपने जीवन में बेहतर लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ते हैं। कलेक्टर विकास मिश्रा ने

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिंदगी में सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। मेहनत करनी होगी, असफलताओं से सीखना होगा और लगातार आगे बढ़ना होगा। यदि परीक्षा में कभी कम अंक आए तो निराश नहीं होना चाहिए। असफलता यह नहीं बताती कि विद्यार्थी कमजोर है, बल्कि यह संकेत देती है कि उसे अपनी तैयारी को और बेहतर करने की आवश्यकता है। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन में मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं। उन्होंने इस अवसर पर सीधी जिले के लिए गौरव की उपलब्धि का उल्लेख करते हुए बताया कि शैलेंद्र प्रताप सिंह का राष्ट्रीय शिक्षक

पुरस्कार-2026 तथा राकेश कुमार द्विवेदी एवं सतीश कुमार पाण्डेय का राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए चयन हुआ है। उन्होंने कहा कि जिले के तीन शिक्षकों का राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर सम्मान के लिए चयन होना उनकी मेहनत, समर्पण और शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है तथा जिले के अन्य शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का विषय है।

उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ाने तथा उनमें आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विकसित करने का आह्वान किया। साथ ही विद्यार्थियों से शिक्षकों के मार्गदर्शन का सम्मान करते हुए अपने लक्ष्य के प्रति निरंतर प्रयास करने की अपील की।

संक्षिप्त

समाचार

द्वारका एक्सप्रेसवे अंडरपास में जलभराव, एनएच-8 और एयरपोर्ट जाने वाले मार्ग पर लगा जाम

नईदिल्ली, एजेंसी। शुक्रवार शाम हुई तेज वर्षा के दौरान द्वारका एक्सप्रेसवे से एनएच-8 और घरेलू एयरपोर्ट की ओर जाने वाले अंडरपास में जलभराव हो गया। अंडरपास में पानी भरने के कारण इस मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ और वाहन चालकों को जाम का सामना करना पड़ा। जलभराव के दौरान इंटरनेट मीडिया पर कई लोगों ने पोस्ट डालकर अंडरपास में पानी भरने और जाम को लेकर नाराजगी जताई। स्थिति को देखते हुए पानी निकालने का काम शुरू किया गया। दिल्ली यातायात पुलिस ने रात 10:18 बजे एक्स पर पोस्ट कर बताया कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से अंडरपास से पानी निकाल दिया गया है। इसके बाद वहां यातायात सामान्य हो गया। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात संबंधी एडवाइजरी का पालन करने और यात्रा की योजना उसी के अनुसार बनाने की अपील की। तेज वर्षा का असर केवल द्वारका एक्सप्रेसवे तक सीमित नहीं रहा। आइजीआई एयरपोर्ट के आसपास के मार्गों पर भी जलभराव के कारण यातायात प्रभावित हुआ। मईपालपुर अंडरपास में भी पानी जमा होने की सूचना सामने आई। बारिश के कारण एनएच-48 और दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे पर भी यातायात की रफ्तार प्रभावित रही। गुरुग्राम की ओर एक्सप्रेसवे पर लंबा जाम लगने की स्थिति बनी। गुरुग्राम में एमजी रोड, गोएफ कोर्स रोड और गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड पर भी बारिश और जलभराव का असर देखने को मिला।

दिल्ली-एनसीआर में कड़क रही बिजली, झमाझम बारिश और काले बादलों ने मौसम किया सुहाना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में जन्माष्टमी के दिन शुरू हुआ बारिश का दौर शनिवार सुबह भी बदस्तूर जारी रहा। लगातार ही रही मूसलाधार बारिश ने जहाँ मौसम को सुहावना बना दिया और लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत दिलाई। वहीं, शनिवार की सुबह राजधानी और आसपास के शहरों के निवासियों को जलभराव और भारी ट्रैफिक जाम से जूझना पड़ा। शनिवार तड़के से ही दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम, रेवाड़ी और फरीदाबाद के कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। सुबह-सुबह काम पर निकलने वाले लोग और स्कूली बच्चे बारिश में सराबोर नजर आए। बारिश के चलते तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे वायु गुणवत्ता (एवयूआई) में भी सुधार देखा जा रहा है। रेवाड़ी में दिन की शुरुआत ही बारिश की बूंदों के साथ हुई है। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, मानसून की सक्रियता और स्थानीय दबाव के कारण यह स्थिति बनी हुई है। मौसम विज्ञानियों ने चेतावनी दी है कि अगले 24 से 48 घंटों तक क्षेत्र में बादल छाप रहेगें और मध्यम से भारी बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। इस बीच फरीदाबाद में बीते 24 घंटे में जिले के सभी निगरानी केंद्रों पर वर्षा दर्ज की गई। इसके अंतर्गत तिगाव में 39 मिमी, धौज में 19 मिमी, दयालपुर में 14 मिमी, बडखल में 14 मिमी, गौंधी में 14 मिमी, फरीदाबाद में 9 मिमी, बल्लभगढ़ में 8 मिमी एवं मोहना में 7 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। जिला प्रशासन मौसम की स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है।

सम्मेलन के चलते दिल्ली में बदलेगा ट्रैफिक प्लान, 22 जगहों पर डायवर्जन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने ब्रिक्स सम्मेलन 2026 के लिए मोटर कारकेड रिहर्सल के मद्देनजर शनिवार को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक दिल्ली के प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्जन और नियंत्रित आवाजाही की घोषणा की है। पुलिस ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा पहले से प्लान करें और अतिरिक्त समय निकांते। जहां तक संभव हो, मेट्रो या पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें। इस सम्मेलन का असर दिल्ली की करीब 22 सड़कों पर पड़ेगा। भारत मंडपम में होने वाले कार्यक्रम के लिए दिल्ली की ट्रैफिक पुलिस ने विस्तार से ऑप्शनल रूट शेयर की है। निर्धारित डायवर्जन रूट्स और ट्रैफिक कर्मियों के निर्देशों का पालन करें तथा रिहर्सल के दौरान प्रभावित मार्गों से अनावश्यक यात्रा से बचें।आपातकालीन और आवश्यक सेवाओं के वाहनों को प्राथमिकता दी जाएगी। रूट-वार डायवर्जन, प्रतिबंध और विस्तृत ट्रैफिक व्यवस्था की जानकारी के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस द्वारा पहले से जारी और पिन किए गए विस्तृत ट्रैफिक एडवाइजरी को पढ़ने का अनुरोध किया गया है।

नोएडा एयरपोर्ट पर अनुमान से 8 गुना कम पहुंचे यात्री, कार्गो सेवा पर लगा ब्रेक

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जेवर में बने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या शुरुआती अनुमान के मुकाबले आठ गुना तक कम है। 15 जून से 31 जुलाई तक एयरपोर्ट से कुल 97,115 यात्रियों ने सफर किया, जबकि अकेले जुलाई महीने में यह आंकड़ा 76,593 रहा।

नोएडा एयरपोर्ट पर बीते 15 जून 2026 को यात्री विमान सेवा शुरू की गई थी। परिचालन के बाद यात्रियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिली, लेकिन यह वृद्धि अनुमान के तुलना में काफी धीमी है। एयरपोर्ट शुरू होने से पहले हर महीने करीब छह लाख यात्रियों के सफर करने का अनुमान लगाया गया था। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (एएआई) द्वारा हाल में जारी आंकड़ों से संकेत मिल रहे

हैं कि एयरपोर्ट के परिचालन में आगे और भी धीमी वृद्धि के आसार हैं। शुरुआती चरण में सीमित उड़ानों को यात्री संख्या कम रहने की प्रमुख वजह माना जा रहा है। हालांकि, आने वाले समय में नई उड़ानें और नए रूट जुड़ने पर यात्रियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। एयरपोर्ट से फिलहाल 15 शहरों के लिए उड़ानें मिल रही हैं। प्रतिदिन रवने से 32 विमान लैंड और टेकऑफ़ कर रहे हैं। एयरपोर्ट से अभी सिर्फ़ फ़ोर्लू उड़ानें ही शुरू हो पाई हैं। फिलहाल, अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल का कार्य निर्माणाधीन है। अधिकारियों का दावा है कि यह काम नवंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। इसी वर्ष अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू करने की तैयारी चल रही है। ऐसे में उड़ान शुरू होने से यात्रियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है।

दिल्ली में बारिश ने बिगाड़ी ब्रिक्स समिट की तैयारियां! लुटियंस से लेकर यमुनापार तक जलभराव; एजेंसियां परेशान

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। जलभराव से ले कर तमाम उन आपातकालीन स्थितियों से निपटने की तैयारियों का दावा एजेंसियां कर रही हैं, लेकिन शुक्रवार को हुई वर्षा ने तैयारियों की पोल खोल दी और एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है।

जलभराव के बाद खासतौर पर लुटियंस दिल्ली में एनडीएमसी के कर्मचारी त्वरित सक्रिय हुए और वर्षा धीमी होने के बाद पानी को निकाल दिया जबकि वर्षा के दौरान इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लेकर लुटियंस दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। हालांकि, जन्माष्टमी की छुट्टी होने के चलते सड़कों पर यातायात कम था, इसलिए जाम तो नहीं लगा, लेकिन वाहनों की रफ्तार धीमी होने की वजह से लोगों को परेशानी जरूर हुई।

अलग-अलग इलाकों में जलभराव : बाबा खड़ग सिंह मार्ग से लेकर कर्नाट प्लेस में जहां एनडीएमसी के चेयरमैन ने 25 अगस्त को जलभराव पर माफी मांगी थी, वहां फिर जलभराव हुआ। पानी सड़कों पर इतना जमा हो गया कि दुकानों में भी पानी घुसने लगा। इसके अतिरिक्त दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में जलभराव देखने को मिला।

विदेशियों के सामने न हो जाए किरकिरी : एजेंसियां इस बात को लेकर चिंतित हैं कि तैयारियों के



बावजूद जलभराव हुआ है तो ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान कहीं यही स्थिति विदेशी मेहमानों के सामने हो गई तो बहुत किरकिरी होगी। वर्षा में जल निकासी की सही व्यवस्था न होने के कारण मध्य दिल्ली की बात करें तो कर्नाट प्लेस के साथ ही पंत मार्ग पर जलजमाव हुआ। इसके साथ ही आईटीओ और सदर बाजार, चांदनी चौक के अलग-अलग इलाकों में जलभराव हुआ।

नाले की गाद बनी है बड़ी समस्या : बाहरी दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में भी जलभराव की स्थिति देखने को मिली। सड़कों से लेकर रिहायशी क्षेत्रों में पानी भर गया। किराड़ी के मुबारकपुर रोड, 70 फुट रोड सहित कई सड़कों पर पानी भर गया। प्रेम नगर-2, निठारी व अगर नगर में जल निकासी ठप होने के कारण नाले ओवरफ्लो हो गए और पानी सड़क पर इकट्ठा हो गया। नाले

की गाद भी सड़क पर बहती दिखाई दी। ऐसे में लोग नाले की गाद को पानी से साफ करते दिखे। इसके अलावा जहांगीरपुरी, मंगोलपुरी, शाहबाद डेयरी, कराला, रानीखेड़ा, मदनपुर डबवास व मुंडका में भी जलभराव के कारण यातायात प्रभावित रहा और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

यमुनापार में भी जलभराव से यातायात प्रभावित : वर्षा के बाद यमुनापार में कई इलाकों में जलभराव की स्थिति देखने को मिली। विकास मार्ग, शकरपुर स्कूल ब्लॉक, पांडव नगर अंडरपास, एनएच-9 और गणेश नगर-पटपड़गंज मार्ग पर जलभराव रहा। गीता कॉलोनी और शकरपुर के रिहायशी इलाकों में भी वर्षा के बाद जलभराव से लोगों को परेशानी हुई। मुख्य मार्गों पर जलभराव के कारण वाहनों की रफ्तार थम गई और सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

फुटपाथ तक जलभराव से डूबे होने के कारण पैदल यात्री सड़क पर चलते नजर आए। जलभराव के चलते यमुनापार में यातायात व्यवस्था प्रभावित रही और वाहन चालकों के साथ-साथ स्थानीय लोगों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

वसंतकुंज में गिरी दीवार, कई वाहन क्षतिग्रस्त : दक्षिणी दिल्ली में भी वर्षा होने पर जलभराव के हाटस्माट माने जाने वाले संगम विहार, देवली, खानपुर, सैनिक फार्म, बदरपुर, मीठापुर चौक, गढ़ी गांव आदि में जलभराव की स्थिति पूर्व की तरह बन गई। वहीं वसंत कुंज के निवासियों को परेशानी भी बढ़ी। वसंत कुंज के ई-7 व ई-9 ब्लॉक में जहां डीडीए की दीवार और इलेक्ट्रिक पैनल गिर पड़ा। दीवार के मलबे के नीचे कई कारें आकर क्षतिग्रस्त हो गईं। वहीं वसंत कुंज के ही ए-1 व ए-2 ब्लॉक के बीच कड़ा पेड़ गिरने से भी एक कार दबकर क्षतिग्रस्त हो गई।

अवकाश के दिन भी वाहन रंगते दिखे : इसके अलावा एफ ब्लॉक की सोसायटियों के बेसमेंट में पानी भरने से पार्किंग में खड़ी कारें जलमग्न हो गईं। तेज वर्षा के चलते कई इलाकों में यातायात व्यवस्था प्रभावित रही।

एमबी रोड पर वाहनों की लंबी कतार लगी रही, तो वहीं मोदी मिल के पास आउटर रिंग रोड, मां आनंदमयी मार्ग, पुल प्रहलादपुर, क्राउन प्लाजा चौक आदि में अवकाश के दिन भी वाहन रंगते नजर आए।

गाजियाबाद में प्लॉट लेकर मकान-दुकान बनाने का मौका, जीडीए सात सितंबर को करेगा नीलामी

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में इंदिरापुरम योजना समेत कई योजनाओं में रेजिडेंशियल और कमर्शियल प्लॉट खरीदने का मौका है। साथ ही रूप हार्डसिंग, हार्डस्कूल, नर्सिंग होम के प्लॉटों पर भी बोलीदार बोली लगा सकते हैं। यहां 120 वर्ग मीटर से लेकर 7 हजार वर्ग मीटर तक के प्लॉट मौजूद हैं। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण सोमवार को इन सभी प्लॉटों की नीलामी करने जा रहा है।

जीडीए की इंदिरापुरम व इसकी विस्तार योजना में विभिन्न साइज में सबसे अधिक प्लॉट नीलामी में शामिल किए गए हैं। इसमें भी जीडीए ने पहली बार मिक्स लैंड यूज प्लॉट शामिल किए हैं। साथ ही रूप हार्डसिंग, हार्डस्कूल, फैसलिट्री प्रोफेशनल एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए भोपाल स्थित नेशनल ज्युडिशियल एकेडमी जैसे सरकारी संस्थानों के इस्तेमाल पर भी चर्चा हुई।



लैंड यूज प्लॉट मौजूद हैं, जिन्हें बेचा जाएगा। यह प्लॉट खरीदने के लिए बोलीदारों के पास अच्छा मौका होगा। इन्हें खरीदने के बाद प्राधिकरण से मिक्स लैंड यूज के तहत नक्शा स्वीकृत कराकर आवासीय समेत व्यावसायिक गतिविधियों के लिए प्लॉट का प्रयोग किया जा सकेगा। अधिकारी बताते हैं कि 7 सितंबर को सुबह 11 बजे से हिंदी भवन में बोली लेगेगी। हालांकि इसके लिए बोलीदारों को सुबह 10 बजे पहुंचना होगा। जो भी बोलीदार प्लॉट पर ज्यादा बोली

लगाएगा, उसे ही वह प्लॉट आवंटित कर दिया जाएगा। नीलामी के लिए प्राधिकरण की तैयारी पूरी हो चुकी है। नीलामी में 84 प्लॉट शामिल किए हैं।

इंदिरापुरम में सबसे अधिक प्लॉट : जीडीए ने इंदिरापुरम व इसकी विस्तार योजना में विभिन्न साइज के 62 प्लॉट नीलामी में शामिल किए हैं। यह प्लॉट दुकान, व्यावसायिक, आवासीय, होटल, क्वेसक आदि तरह के हैं। इसके अलावा मधुबन बापूधाम में औद्योगिक प्लॉट हैं, जिनकी बिक्री

होगी। इंद्रप्रस्थ योजना में रूप हार्डसिंग के प्लॉट हैं। वैशाली, कौशांबी, कर्पूरीपुरम, अंबेडकर रोड डिस्ट्रिक्ट सेंटर और यूपी बॉर्डर में भी विभिन्न तरह के प्लॉट मौजूद हैं। ये विभिन्न साइज के आवासीय, व्यावसायिक, रूप हार्डसिंग, प्राइमरी नर्सरी स्कूल, हायर सेकेंड्री स्कूल, हॉस्पिटल, नर्सिंग होम, हेल्थ सेंटर आदि प्लॉट हैं।

पिछले साल प्राधिकरण ने 288 करोड़ कमाए : पिछले साल लोगों ने प्राधिकरण की संपत्ति काफी तादात में खरीदी है। जीडीए अधिकारी बताते हैं कि पिछले साल गोविंदपुरम, इंदिरापुरम, इंद्रप्रस्थ, कौशांबी, प्रताप विहार समेत अन्य योजनाओं में प्राधिकरण के खाली पड़े प्लॉट बोलीदारों ने बोली लगाकर खरीदे थे। इन प्लॉटों को बेचकर प्राधिकरण ने पिछले साल करीब 288 करोड़ रुपये की आय अर्जित भी की थी।

चांद पर पहुंच गए, लेकिन हाथ से मैला ढोना खत्म नहीं हुआ’,बॉम्बे हाई कोर्ट की कड़ी टिप्पणी



मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने देश में व्याप्त एक ऐसी कुप्रथा की तरफ ध्यान देने के लिए कहा है जो सालों से चल रही है। हाई कोर्ट ने कहा कि हम चांद पर पहुंचने का दावा करते हैं, लेकिन अब तक हाथ से मैला ढोने की प्रथा को खत्म नहीं कर पाए। बॉम्बे HC ने कहा कि भारत चांद में अकछुर हिस्से तक पहुंचने का दावा तो करता है, लेकिन जाति व्यवस्था की आड़ में उसके कुछ नागरिक अब भी इसानी गरिमा के खिलाफ काम करने को मजबूर हैं।

चांद पर पहुंचे, लेकिन हाथ से मैला ढोना खत्म नहीं : जस्टिस भारती डांगरे और मंजूषा देशपांडे ने कहा, '21वीं सदी में हम चांद के दूसरी तरफ पहुंचने का दावा करते हैं। फिर भी, कड़वी सच्चाई यह है कि हमारे देश में जाति व्यवस्था जैसी सामाजिक बुराई अब भी मौजूद है, जो हमारे कुछ नागरिकों को ऐसा काम करने के लिए मजबूर करती है जो इसानी गरिमा के खिलाफ है। हाई कोर्ट ने आगे कहा, 'हालांकि संविधान सभी नागरिकों को कानून के सामने समानता और कानून का समान संरक्षण देता है, लेकिन संविधान को अपनाने हुए 75 साल बीत जाने के बाद भी हमारा देश उस सामाजिक बुराई से मुक्त नहीं हो पाया है जिसने हमें सदियों से परेशान कर

रखा है।' हाई कोर्ट ने ये टिप्पणी दल ही में 'मैनुअल स्कैवेंजर्स' के तौर पर रोजगार पर रोक और उनके पुनर्वास अधिनियम, 2013' को लागू करने में राज्य/स्थानीय अधिकारियों की विफलता के खिलाफ दायर याचिका पर की। हाई कोर्ट ने 13 अगस्त को इस मामले में हुई सुनवाई के फैसले में ये बात कही, जिसे गुरुवार, 3 सितंबर को अपलोड किया गया।

हाई कोर्ट ने कहा, 'हाथ से मैला ढोना एक ऐसी प्रथा है, जो समुदाय के एक खास वर्ग को पीढ़ियों से इस अमानवीय काम को करने के लिए मजबूर करती है, जबकि सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों और कानूनों में इस पर रोक लगाई गई है।' सरकारी आदेशों में राज्य के फैसले को रद्द कर दिया और कहा कि प्राइवेट कॉन्ट्रैक्टर/सेक्टर द्वारा काम पर रखे गए जिन सफाई कर्मचारियों की मोत हो गई, उनके परिवार राज्य सरकार से 30 लाख रुपये का मुआवजा पाने के हकदार होंगे (जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था), और राज्य यह रकम संबंधित नियोक्ताओं से वसूल सकता है। बॉम्बे हाई कोर्ट में यह याचिका एक मजदूर युनियन 'श्रमिक जनता संघ' से जुड़े राजू मोधवे और लेखक श्रेयस पांडे के साथ मिलकर दायर की थी।

कागों सेवा भी नहीं उड़ी : नोएडा एयरपोर्ट को शुरू हुए करीब छई महीना बीत चुका है। 17 जून को पहली कागों फ्लाइट चेन्नई से

उड़ान भरकर नोएडा पहुंची थी। इसके बाद से एयरपोर्ट से दूसरी कोई कागों फ्लाइट नहीं उड़ी है। पिछले दिनों कागों बनाने वाली कंपनी ने

पशुओं के आवागमन को लेकर भी दो कमर्नियों के साथ समझौता किया था। फिलहाल इससे जुड़ी भी कोई कागों फ्लाइट नहीं उड़ पाई है।



पहली यात्री उड़ान में किसानों ने किया था सफर : गौरतलब है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 15 जून को लखनऊ के लिए रवाना हुई पहली उड़ान सिर्फ यात्री सेवा को शुरूआत नहीं थी, बल्कि जेवर के उन किसानों के लिए भावनात्मक पल भी बन गई थी, जिन्होंने एयरपोर्ट के लिए अपनी जमीनें दी थी। इस ऐतिहासिक उड़ान में यात्री बनकर पहुंचे किसान लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर उतरते तो चेहरों पर गर्व, खुशी और आंखों में नमी साफ दिखी। किसानों ने साफ कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने उनके गांवों को नई पहचान दी है और सीएम योगी ने वादा निभाकर उनके सपनों को साकार किया है। एयरपोर्ट से आने वाली पीढ़ियों को नए अवसर मिलेंगे।

राहत से पुनर्बहाली की ओर चित्रकूट, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने संभाली जिम्मेदारी

घाटों, सड़कों और धार्मिक स्थलों की सफाई के साथ प्रभावित परिवारों तक पहुंचाई जा रही राहत सामग्री

सतना। चित्रकूट में आई बाढ़ के बाद जनजीवन को तेजी से सामान्य स्थिति में लाने के लिए जिला प्रशासन सतना द्वारा राहत, पुनर्वास और पुनर्बहाली के कार्य लगातार जारी हैं। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देशन एवं आयुक्त रीवा संभाग के मार्गदर्शन में प्रशासनिक अधिकारी, जिला पंचायत का अमला, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा विभिन्न विभागों की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में सक्रिय हैं। बाढ़ का पानी उतरने के बाद सबसे बड़ी चुनौती सड़कों, घाटों, धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर जमा मिट्टी, सिल्ट, बालू और कचरे को हटाने की है। इसके लिए जेसीबी एवं अन्य संसाधनों की मदद से युद्धस्तर पर सफाई अभियान चलाया जा रहा है। भारत घाट मार्ग पर जेसीबी से मिट्टी हटाने का कार्य किया जा रहा है, वहीं भारत घाट में सफाई एवं धुलाई का कार्य भी प्रारंभ हो चुका है। घाट को श्रद्धालुओं के स्नान योग्य बनाने के लिए जमा सिल्ट और बालू हटाई जा रही है। भारत घाट की सफाई में जनप्रतिनिधियों और प्रशासन ने



मिलकर श्रमदान का संदेश दिया। जिला पंचायत सदस्य बरौंथा संजय सिंह और उनकी टीम ने घाट की सफाई का मोर्चा संभाला। टीम का उत्साह बढ़ाने के लिए अपर कलेक्टर विकास सिंह एवं सीईओ जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह ने भी प्रतीकात्मक श्रमदान किया। जिला पंचायत सदस्य संजय सिंह ने फावड़ा उठाकर सिल्ट और बालू हटाने में सहभागिता की, वहीं सीईओ जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह ने तगाड़ी उठाकर सफाई कार्य में श्रमदान किया। प्रशासन की ओर से बताया गया कि आने वाले दिनों में जिले से अन्य अधिकारी भी चित्रकूट पहुंचकर प्रभावित क्षेत्रों में सेवा कार्य एवं

श्रमदान करेंगे। रविवार को जिले के शासकीय अधिकारी-कर्मचारी चित्रकूट पहुंचकर सेवा कार्य और साफ-सफाई के श्रमदान में शामिल होंगे। सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह ने सभी अधिकारी-कर्मचारी को रविवार को प्रातः 9.30 बजे चित्रकूट में उपस्थित होकर स्वच्छता कार्य में श्रमदान करने की अपील की है। बाढ़ के बाद धार्मिक और पर्यटन स्थलों की भी व्यवस्थित किया जा रहा है। आरोग्यधाम के आसपास जमा मिट्टी को समतल किया जा रहा है तथा वैदेही वाटिका में साफ-सफाई का कार्य चल रहा है। आरोग्यधाम मार्ग की भी सफाई की जा रही है। प्रमोद वन में

सामुदायिक भवन के पास जमा कचरे को हटाकर भराव कराया जा रहा है। वहीं रामायणी कुटी मुख्य मार्ग से भी कचरा हटाने का कार्य जारी है। गोदावरी गुफा के अंदर बाढ़ से जमा हुई मिट्टी को भी हटाया जा रहा है। नयागांव में पुराने कार्यालय के सामने सड़क की सफाई कराई जा रही है। इन कार्यों का उद्देश्य प्रभावित क्षेत्रों को शीघ्र साफ-सुथरा कर आमजन और श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए सुगम बनाना है। राघव प्रयाग घाट पर भी साफ-सफाई का कार्य तेजी से कराया जा रहा है।

एसडीएम महिपाल सिंह गुर्जर और तहसीलदार कमलेश भदौरिया द्वारा मौके पर पहुंचकर कार्य की निगरानी की जा रही है। प्रशासन का प्रयास है कि प्रमुख घाटों और धार्मिक स्थलों को प्राथमिकता के आधार पर व्यवस्थित किया जाए। चित्रकूट के बाढ़ प्रभावितों के लिए राहत गोदाम में प्राप्त सामग्री को व्यवस्थित कर जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने की प्रक्रिया लगातार जारी है। राहत सामग्री के वितरण के लिए श्वेत तैयार करवाए जा रहे हैं,

जिन्हें आमजन एवं बाढ़ प्रभावित परिवारों को वितरित किया जाएगा। राहत सामग्री की प्राप्ति, सुरक्षित भंडारण और वितरण में प्रत्येक सामग्री का हिसाब-किताब रखने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सीईओ जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह एवं अपर कलेक्टर विकास सिंह के समन्वय में जिला पंचायत के अमले द्वारा राहत सामग्री को सुरक्षित स्थलों पर रखवाया जा रहा है, ताकि सामग्री व्यवस्थित तरीके से जरूरतमंदों तक पहुंचाई जा सके। चित्रकूट बाढ़ आपदा के दौरान कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देशन में अपर कलेक्टर विकास सिंह राहत एवं पुनर्वास कार्यों के समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। आपदा की स्थिति में ईसीडेंट कमांडर के रूप में वे विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए राहत सामग्री, पुनर्वास और मैदानी व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं। सीईओ जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह जिला पंचायत के अमले के माध्यम से राहत सामग्री के सुरक्षित भंडारण, पैकिंग और वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित कर रहे हैं।

बाढ़ प्रभावितों को अब तक 1.03 करोड़ रुपये की राहत राशि वितरित

सतना। जिले में अतिवृष्टि एवं बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने का अभियान लगातार जारी है। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देशन में राजस्व, स्वास्थ्य, विद्युत सहित विभिन्न विभागों की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में लगातार काम कर रही हैं। 4 सितंबर तक जिले में 4,297 प्रकरणों में 1 करोड़ 3 लाख 34 हजार रुपये की राहत राशि वितरित की जा चुकी है। बाढ़ से सर्वाधिक प्रभावित चित्रकूट-मझगांव क्षेत्र में प्रशासन ने विशेष प्राथमिकता से राहत कार्य किए हैं। मझगांव में पानी भरने से वस्त्र, बर्तन एवं घरेलू सामग्री की क्षति के 841 परिवारों को 42 लाख 5 हजार रुपये तथा आंशिक मकान क्षति के 28 प्रकरणों में 1 लाख 19 हजार रुपये की सहायता दी गई है। तहसील मझगांव में कुल 869 प्रकरणों में 43 लाख 24 हजार रुपये की राहत राशि वितरित की गई है। जिले में बाढ़ एवं अतिवृष्टि से हुई जनहानि के 8 प्रकरणों में 20 लाख रुपये की सहायता दी गई है। पानी भरने से घरेलू सामग्री की क्षति के 1,103 प्रकरणों में 55 लाख 9 हजार रुपये

तथा मकान की आंशिक क्षति के 3,130 प्रकरणों में 28 लाख 25 हजार रुपये की सहायता स्वीकृत की गई है। तहसीलवार देखें तो रघुराजनगर में 2,615 प्रकरणों में 12 लाख 70 हजार रुपये, रामपुर बाघेलान में 248 में 16 लाख 85 हजार, नागौंद में 236 प्रकरण में 15 लाख 75 हजार, कोठी में 195 प्रकरण में 8 लाख 10 हजार, बिरसिंहपुर में 100 प्रकरण में 50 हजार तथा कोटर में 34 प्रकरणों में 1 लाख 70 हजार रुपये की राहत राशि वितरित की गई है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की टीमें भी लगातार सक्रिय हैं। जिले में अब तक 14,994 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया है तथा प्रभावित परिवारों को 6,110 तिरपाल वितरित किए गए हैं। चित्रकूट के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 10 स्वास्थ्य टीमों ने 1,935 घरों का सर्वे कर 9,643 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया है। इस दौरान 60 वर्ष से अधिक आयु के 2,217 बुजुर्गों का उपचार किया गया, जबकि स्वास्थ्य शिविरों में 1,329 मरीजों का इलाज किया जा चुका है। पेयजल को सुरक्षित रखने

के लिए क्लोरीन की गोлияयें वितरित की जा रही हैं। लोगों को पानी उबालकर पीने की सलाह दी गई है। फॉगिंग एवं मलेरिया रोधी गतिविधियां भी संचालित की जा रही हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नयागांव में प्रभावितों को 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

बाढ़ प्रभावितों की मदद के लिए विभिन्न संस्थाओं और कंपनियों का भी सहयोग मिल रहा है। अल्यूटेक मैहर यूनिट से 400 पानी के जार तथा एनडीडीए सतना से तिरपाल, साड़ी, टी-शर्ट, टॉवेल एवं अंडरगार्मेंट्स सहित राहत सामग्री उपलब्ध कराई गई। प्राप्त सामग्री से 680 राहत किट तैयार कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में वितरित की गई हैं। दीनदयाल संस्थान, सदुरु संस्थान एवं अंत्योदय रसोई द्वारा भोजन पैकेट वितरित किए जा रहे हैं। संतोषी अखाड़ा एवं आचार्य आश्रम द्वारा भी प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की जा रही है। जिला कोषालय परिवार सतना की ओर से भी खाद्य सामग्री एवं महिलाओं के कपड़े उपलब्ध कराए गए हैं।

कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने अतिविर्षा से जलभराव वाले क्षेत्रों का किया निरीक्षण

मैहर। कलेक्टर श्रीमती विदिशा मुखर्जी और पुलिस अधीक्षक श्री अवधेश प्रताप सिंह ने शनिवार को जिले की अमरपाटन तहसील अंतर्गत ग्राम मुकुंदपुर क्षेत्र में अतिविर्षा के कारण जलभराव वाले स्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बेला-गोविंदगढ़ स्टेट हाईवे पर मुजुंआ नदी में बने ब्रिज का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर श्रीमती मुखर्जी ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को ब्रिज पर हो रहे जलभराव की समस्या का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।



उन्होंने कहा कि अमरपाटन क्षेत्र के मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी के आसपास बीहर नदी एवं मुजुंआ नदी सहित अन्य नदियों पर बने ऐसे सभी ब्रिजों को चिह्नित किया गया है, जहां अतिवृष्टि के दौरान जलभराव की स्थिति

निर्मित होती है और आवागमन बाधित होता है। कलेक्टर ने जानकारी दी कि ऐसे सभी स्थानों का निरीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के लिए एक टीम गठित की जाएगी। टीम की रिपोर्ट के आधार पर आवश्यकतानुसार पुलों के निर्माण एवं सुधार कार्य की कार्ययोजना तैयार की जाएगी, ताकि अतिविर्षा के दौरान आवागमन सुचारु रहे और मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी आने वाले पर्यटकों को भी किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

बैंकर्स की डीलसीसी की बैठक 8 सितम्बर को
सतना। बैंकर्स की जिला स्तरीय परिषद द्वाि एवं समीक्षा समिति की बैठक 8 सितम्बर को प्रातः 11 बजे से कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई है। एलडीएम गौतम शर्मा ने सभी संबंधित विभाग के अधिकारी एवं जिला स्तरीय बैंकों के नोडल अधिकारियों को बैठक में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

शिक्षक ही बच्चों के भविष्य की दिशा तय करते हैं : विधायक

विधायक ने शिक्षक दिवस पर सरस्वती विद्यालय में वरिष्ठ शिक्षकों का सम्मान किया

मैहर। विधायक श्री श्रीकांत चतुर्वेदी की उपस्थिति में शिक्षक दिवस के अवसर पर सरस्वती विद्यालय, मैहर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक श्री चतुर्वेदी उपस्थित रहे उन्होंने विद्यालय पहुंचकर वरिष्ठ शिक्षकों का सम्मान किया और उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य, समस्त



शिक्षक-शिक्षिकाएं, स्कूल स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह एवं उमंग का वातावरण देखने को मिला।

विधायक श्री चतुर्वेदी ने कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा प्रदान करने का कार्य नहीं करते, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण के साथ उनके भविष्य की दिशा भी तय करते हैं। शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यार्थियों को संस्कार, अनुशासन और ज्ञान देकर उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना शिक्षकों का महत्वपूर्ण

दायित्व है। यह उद्बोधन विधायक श्री चतुर्वेदी ने शिक्षक सम्मान समारोह में दिया।

विधायक श्री चतुर्वेदी ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके समर्पण और सेवाभाव की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज में शिक्षकों का स्थान सदैव सम्माननीय रहा है और आने वाली पीढ़ी को बेहतर बनाने में उनकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।

बाल विवाह के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र का वैश्विक दिवस जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के असाधारण प्रयासों को मान्यता

पन्ना। पन्ना में बाल विवाह के खिलाफ जमीनी अभियान चला रहे संकल्प समाजसेवी संस्था ने संयुक्त राष्ट्र के 27 नवंबर को 'बाल विवाह, कम उम्र और जबर्न विवाह की समाप्ति के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस' घोषित करने के ऐतिहासिक कदम का स्वागत किया है। संगठन ने कहा कि यह सरकार व प्रशासन के सहयोग से देश में बाल विवाह के खिलाफ अभियान चला रहे नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के अथक और असाधारण प्रयासों को वैश्विक मान्यता है। संगठन संकल्प समाजसेवी संस्था जेआरसी का एक सहयोगी संगठन है। जेआरसी



लंबे समय से इस दिवस की मांग कर रहा था।

शिक्षक दिवस पर हुए एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संकल्प समाजसेवी संस्था के निदेशक सन्देशवंसल ने कहा कि भारत से उठी आवाज आज पूरी दुनिया का संकल्प बन गई है। उन्हें खुशी है कि आज उनके प्रयासों

को वैश्विक मान्यता मिली है। साथ ही यह पूरे भारत के लिए भी गर्व का विषय है, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र ने बाल विवाह के खिलाफ वैश्विक दिवस के लिए 27 नवंबर की तारीख चुनी। 2024 में इसी दिन भारत सरकार ने जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन जैसे नागरिक समाज संगठनों को साथ लेकर 'बाल

विवाह मुक्त भारत' अभियान की शुरुआत की थी। लेकिन यह जश्न मनाकर रुक जाने का क्षण नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की घोषणा ने हमें गौरव दिया है। अब हमारी जिम्मेदारी है कि दुनिया के हर बच्चे को बाल विवाह मुक्त बचपन भी मिले। हमारे सामने इस संकल्प को जमीन पर उतारने की चुनौती भी है। जब तक जिले के किसी गांव का एक भी बच्चा बाल विवाह के डर में जी रहा है, तब तक हमारी लड़ाई अधूरी है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पन्नाजिले का काम है हमने सरकार व प्रशासन के साथ मिलकर कानूनी हस्तक्षेपों से लगभग 1000 बाल विवाह रुकवाए हैं।

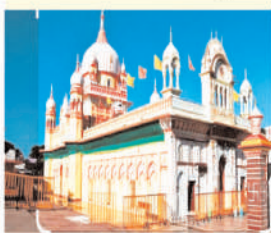
उन्होंने आगे कहा, हम जानते हैं कि सिर्फ कानून से ही बाल विवाह की पूरी तरह रोकथाम संभव नहीं होगी। इसलिए हमने बड़े पैमाने पर स्कूलों, पंचायतों, गांवों में जागरूकता अभियान चलाया है। लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई है। साथ ही बाल विवाह के लिहाज से संवेदनशील आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा गया है और पढ़ाई छोड़ चुके बच्चों का दोबारा स्कूलों में दाखिला कराया है। इसके अलावा बाल विवाह के खिलाफ मुहिम में धर्मगुरुओं व शिक्षकों को जोड़कर हमने इसे सही मायने में जन अभियान बनाया है जिसकी गूंज संयुक्त राष्ट्र तक सुनाई दे रही है।

भारी बारिश के चलते जिले में तीन की मौत, हजारों मकान हुए क्षतिग्रस्त

पन्ना। पन्ना जिले में लगातार हो रही झमाझम बारिश के बीच गुरुवार को अलग-अलग घटनाओं में तीन लोग नालों में बह गए। जिनमें तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पन्ना की तलवाली थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत तिलगवां के ग्राम जमुनहाई निवासी अर्जुन आदिवासी 32 पिता समाजी आदिवासी और गुनौर थाना क्षेत्र के ग्राम बसौरा निवासी अमन चौधरी 08 पिता भरत चौधरी शामिल हैं। वहीं पन्ना देवेंद्र नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गढ़ीपडरिया निवासी दिव्यांशु शुक्ला 14 पिता दिवाकर शुक्ला नाले में बह गया था जिसकी दूसरे दिन लाश मिल गई है। पहली घटना पन्ना जिला मुख्यालय के समीप ग्राम तिलगवां के जमुनहाई गांव में कटरा बांध के पास हुई। बताया गया है कि अर्जुन आदिवासी बांध के नीचे ओवरफ्लो हो रहे पानी के समीप से गुजर रहा

था। इसी दौरान वह पानी से भरे गड्ढे में गिरकर बह गया। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे नाले में बहते देखा और बाहर निकाला लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। ग्रामीण युवक को पन्ना जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। दूसरी घटना गुनौर थाना क्षेत्र के ग्राम बसौरा में हुई। पुलिस के अनुसार सुबह करीब 10 बजे अमन चौधरी तेज बहाव वाले नाले में बह गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम ने नाले में सर्चिंग ऑपरेशन चलाया। तलाशी के दौरान बालक झाड़ियों में फंसा मिला। टीम ने उसे बाहर निकाला लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। तीसरी घटना देवेंद्र नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गढ़ीपडरिया के मंदिर घाट के पास नाला में हुई हुई।

भगवान जुगल किशोर जी मंदिर में जन्माष्टमी की धूम



पन्ना। बुंदेलखंड का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल भगवान श्री जुगल किशोर जी के मंदिर में विगत बरसों की भांति इस वर्ष भी जन्माष्टमी का पूरब बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया सुबह से ही मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ देखी गई शाम को भजन कीर्तन के साथ लोगों द्वारा भगवान श्री के दर्शन किए गए संस्कृति विभाग द्वारा कृष्ण पर्व का आयोजन भी किया गया पुलिस एवं प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

अंधेरे रास्तों पर टॉर्च बनेगी सर्पदंश से सुरक्षा की साथी, दक्षिण पन्ना के गांवों में त्यापक अभियान

कई गांवों में हजारों टॉर्च वितरित, रात में सांप से आकस्मिक संपर्क और सर्पदंश का जोखिम कम करने की पहल

पन्ना। दक्षिण पन्ना वनमंडल द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सर्पदंश की रोकथाम के लिए टॉर्च वितरण एवं स्तर-जागरूकता अभियान व्यापक स्तर पर चलाया जा रहा है। वन क्षेत्रों से लगे गांवों में रात के समय खेत, खलिहान और घर के आसपास आवाजाही के दौरान कम रोशनी के कारण सांप दिखाई नहीं देने से अनजाने में उसके पास पहुंचने या उस पर पैर पड़ने का जोखिम रहता है। टॉर्च के निर्मित उपयोग से ग्रामीण रास्ते एवं आसपास के अंधेरे स्थानों को पहले देख सकते हैं और सांप से आकस्मिक संपर्क से बच सकते हैं। इसी उद्देश्य से वन सुरक्षा एवं ग्राम वन समितियों के सदस्यों, सुरक्षा श्रमिकों, महिलाओं एवं जरूरतमंद ग्रामीणों को टॉर्च वितरित की जा रही हैं।



रैपुरा परिक्षेत्र में वन सुरक्षा समिति बड़ागांव, गंज एवं सगौनी के साथ ग्राम वन समिति सुरी-बघनरवा में टॉर्च वितरित की गई। गतिविधियों में परिक्षेत्र सहायक रामप्रताप गौतम, वनरक्षक अरविंद सिंह, नवदीप सिंह कौरव, रामगोपाल सिंह, सतीश द्विवेदी एवं सन्मति रोहित ने सहभागिता

की। सगौनी में समिति अध्यक्ष ममता रानी आदिवासी सहित समिति सदस्य एवं सुरक्षा श्रमिक भी उपस्थित रहे। इस दौरान ग्रामीणों को सर्पदंश से बचाव के साथ वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा तथा संयुक्त वन प्रबंधन में स्थानीय समुदाय की भूमिका के बारे में भी समझाया गया। मोहन्दा परिक्षेत्र में

टिकुरी, रमपुरा, मोहन्दा, दीनपुरा, फतेहपुर, जमुनहा, मोतीडील, लाखनचोरी एवं चुनगुना सहित विभिन्न ग्राम वन समितियों में टॉर्च वितरण किया गया। मड़वा सर्किल में भी अभियान चलाया गया। इन गतिविधियों में वनरक्षक राजू अहिरवार, वनपाल जगदीश अहिरवार, जय प्रकाश नारायण दुबे, संत कुमार प्रजापति, परिक्षेत्र सहायक भानू प्रताप, वनरक्षक अयय प्रताप सिंह, अभिनव पांडे, अरविंद कुमार विश्वकर्मा, प्रकाश प्रजापति एवं संदीप राय ने सक्रिय भूमिका निभाई। पर्वड परिक्षेत्र की ग्राम वन समिति हड़्डा में भी वनरक्षक कपिल वर्मा द्वारा ग्रामीणों को टॉर्च वितरित की गई। कल्दा परिक्षेत्र की ग्राम वन समिति जुसिंद में वनमंडलाधिकारी द्वारा ग्रामीणों के साथ बैठक एवं संवाद



उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कृष्णाराज कपूर आडिटोरियम में आयोजित समारोह में विभिन्न क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया।



विकास कार्यों का लाभ जेनजी और जेन अल्फा को मिलेगा

शिक्षित होने के साथ संस्कारवान होना आवश्यक है : उप मुख्यमंत्री

रीवा। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में पंचकोष समग्र व्यक्ति विकास की भारतीय दृष्टि विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि संस्कारों के बिना सुगंध के फूल जैसी है। शिक्षित होने के साथ-साथ संस्कारवान होना आवश्यक है। आज जो विकास के प्रयास हो रहे हैं उनका पूरा लाभ जेनजी और जेन अल्फा को मिलेगा। भारत को 2047 तक विश्वगुरु और आर्थिक महाशक्ति बनाने का संकल्प देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने लिया है। इस संकल्प को पूरा करने की जिम्मेदारी युवाओं पर है। युवा शिक्षित होने के साथ-साथ संस्कारवान बने इसके लिए पंचकोष समग्र व्यक्तित्व विकास की भारतीय दृष्टि को अपनाना आवश्यक है। अच्छे संस्कार सांस्कृतिक मूल्य और सकारात्मक



दृष्टिकोण युवाओं को सही लक्ष्यों की पूर्ति में सहायक होगा। कार्यशाला में जो गुरु ज्ञान दिया जा रहा है उसे विद्यार्थी अपने जीवन में उतारे तभी जीवन सफल होगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन के उच्च लक्ष्य तय करने के साथ हमें जो प्राप्त है वहीं पर्याप्त है कि आत्मसंतुष्टि होनी चाहिए। जीवन को सही दिशा न मिलने पर

कार्यशाला में सांसद श्री जनार्दन मिश्रा ने कहा कि सनातन परंपरा के मूल्य और वैदिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान ने भी प्रमाणित किया है। शरीर और मन को संतुलित रखने पर पूरा जीवन संतुलित हो जाता है। इसके लिए योग, ध्यान और प्राणायाम आवश्यक है। पूरी दुनिया तनाव प्रबंधन के लिए इसका उपयोग कर रही है। युवा पीढ़ी प्राचीन ज्ञान के अच्छे मूल्यों को अपनाये। प्राचीन ग्रंथों में भी भ्रमित करने के लिए भी मिलावट कर दी गई है। सही ज्ञान को अपनाने पर ही आत्मबोध और आत्मचिंतन से आत्मसंतुष्टि होगी।

कार्यशाला में श्री शर्मा ने कहा कि समाज को बदलना है तो शिक्षा को बदलना होगा। आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए शिक्षा, संस्कृति का उत्थान आवश्यक है। कार्यशाला में विवेकानंद विश्वविद्यालय सागर के कुलगुरु डॉ. अजय तिवारी ने कहा कि गुरु ही शिष्य को सही मार्ग दिखाते हैं। कबीरदास जी ने कहा है कि समुद्र की स्याही, धरती के सभी पेड़ों की कलम बनाकर धरती को किताब मानकर यदि गुरु का महात्म लिखा जाय वह भी कम होगा।

रतनगवां में गूंजे श्रीकृष्ण के भजन, भक्तिमय हुआ माहौल

राधाकृष्ण मंदिर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

मऊगंज। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर संस्कृति विभाग ने सजाया भक्ति और संस्कृति का रंगमंच, शहडोल की भजन मंडली ने बांधा समां श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर ग्राम पंचायत रतनगवां स्थित श्री धाकृष्ण मंदिर में आस्था, उल्लास और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और ग्रामीणों ने सहभागिता कर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया। शहडोल से विशेष रूप से पहुंची भजन मंडली ने भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति से सराबोर मनमोहक भजनों की प्रस्तुतियां दीं। जैसे-जैसे भजनों की स्वर लहरियां मंदिर परिसर में गूंजती गईं, वैसे-वैसे श्रद्धालु भक्ति के रंग में रंगते चले गए। पूरा राधाकृष्ण मंदिर परिसर 'राधे-राधे' और 'जय श्रीकृष्ण' के



जयघोष से गूंज उठा। देर रात तक चले कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भक्ति संगीत का आनंद लेते हुए भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। जन्माष्टमी के अवसर पर रतनगवां में ग्रामीणों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या ने उपस्थिति ने आयोजन को भव्य स्वरूप प्रदान किया। धार्मिक

वातावरण के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को और भी आकर्षक बना दिया। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर पी.के. पांडेय, डिप्टी कलेक्टर अजीत मिश्र, जनपद सीईओ परमानंद तिवारी, तहसीलदार सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, ग्रामीण एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। अधिकारियों एवं ग्रामीणों ने भी भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में सहभागिता की।

उप मुख्यमंत्री लक्ष्मणबाग में आयोजित जन्माष्टमी उत्सव में हुए शामिल

रीवा। रोवा स्थित प्रसिद्ध तीर्थ स्थल लक्ष्मणबाग परिसर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस भव्य आयोजन में उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। भक्तिमय वातावरण के बीच उपमुख्यमंत्री ने सबसे पहले लक्ष्मणबाग स्थित गौशाला पहुंचकर श्रीकृष्ण भगवान के सबसे प्रिय गौवंश का विधि-विधान से पूजन किया और उन्हें गुड़ खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। गौ-सेवा के उपासक उन्होंने

परिसर में स्थापित प्रमुख देवालयां राम दरबार, भगवान द्वारिकाधीश तथा बद्रीनाथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना कर सभी नागरिकों की सुख, शांति, समृद्धि और आरोग्य की मंगल कामना की। समारोह के दौरान विभिन्न स्कूली बच्चों ने राधा-कृष्ण और बलराम के मनभावन स्वरूप धारण कर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों के अभिनय और नृत्य से पूरा परिसर गोकुल के रंग में रंग गया। उपमुख्यमंत्री की बाल स्वरूपों की भक्तिमय प्रस्तुति से अभिभूत दिखे

और उन्होंने कृष्ण रूप धरे एक छोटे बालक को भावविभोर होकर गोद में उठाकर दुलार किया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में से एक मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन भी परिसर में उत्साहपूर्वक किया गया, जिसका उपमुख्यमंत्री सहित उपस्थित जनसमूह ने आनंद लिया। उपमुख्यमंत्री ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं की जन्माष्टमी की बधाई देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन दर्शन हमें सत्य, निष्काम कर्म और प्राणीमात्र की सेवा का मार्ग दिखाता है।

टी.आर.एस. कॉलेज में शिक्षक दिवस पर भव्य सम्मान समारोह आयोजित

रीवा। शासकीय ठाकुर रणमत सिंह स्वशासी महाविद्यालय, रोवा के समाजशास्त्र विभाग में शनिवार को शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में समाजशास्त्र परिषद द्वारा संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत के साथ हुआ। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अखिलेश शुक्ल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक समाज का निर्माता होता है। गुरु की



भूमिका केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं, बल्कि वह छात्रों के चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों को आकार देने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने छात्रों से अनुरोध किया कि वे अपने शिक्षकों के प्रति सदैव आदर और कृतज्ञता का भाव रखें। समाजशास्त्र विभाग के

सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. महानंद द्विवेदी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक दिवस हमें डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की महान विरासत की याद दिलाता है। उन्होंने छात्रों को अध्ययन के प्रति समर्पित रहने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने की प्रेरणा

दी। डॉ. मधुलिका श्रीवास्तव एवं डॉ. शाहेदा सिद्दीकी ने भी छात्रों को संबोधित करते हुए शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त करने और शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अच्छी शिक्षा ही व्यक्ति और समाज दोनों के विकास की नींव है। कार्यक्रम में डॉ. मधुलिका श्रीवास्तव, डॉ. शाहेदा सिद्दीकी, डॉ. फरजाना बानो, प्रोफेसर शालिनी पाण्डेय, डॉ. आभा द्विवेदी, डॉ. निशा सिंह, डॉ. प्रियंका पाण्डेय, डॉ. गुंजन सिंह, डॉ. प्रियंका तिवारी, श्री योगेश निगम तथा श्री रत्नेश मिश्रा का विशेष सहयोग एवं महत्वपूर्ण योगदान रहा एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

के छात्रों देव कृष्ण तिवारी, सुजीत सिंह, वंदना कुशवाहा, अंजलि कुशवाहा, अनामिका कुशवाहा, अनुराग सिंह, संजय साकेत, वर्षा मोगरे, सुलोचना साहू तथा एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के छात्रों अभिषेक कुशवाहा, अदिति मिश्रा, विभा भारती, मिथलेश विश्वकर्मा, सूरज कोल, कोमल कुशवाहा और आशीष यादव ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का कुशल संचालन अभिषेक कुशवाहा तथा विभा भारती ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन देव कृष्ण तिवारी ने किया।

सर्पदंश से घबराएं नहीं, एक घंटे के भीतर एंटीवेनम इंजेक्शन लगवाएं

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने दी सर्पदंश से बचाव एवं उपचार की सलाह

मऊगंज। वर्तमान में बारिश होने के साथ वातावरण में लगातार तापमान अधिक रहता है। साँप तथा अन्य जीव-जंतुओं के छिपने के स्थानों में पानी भर जाने के कारण उनका सतह पर विचरण शुरू हो जाता है। इसलिए बारिश में साँप एवं अन्य जहरीले जंतुओं के काटने की घटनाएं होती हैं। कलेक्टर संजय कुमार जैन के निर्देशन पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधाकर पाण्डेय ने

आमजनता को सर्पदंश से बचाव तथा उपचार की सलाह दी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा है कि विन्ध्य क्षेत्र में प्रमुख रूप से तीन जहरीले सांपों, करैत, रसेल वाइपर तथा कोबरा के काटने के कारण मौत की घटनाएं होती हैं। साँप काटने के बाद एक घण्टे की अवधि में सही उपचार होने पर पीड़ित की जान आसानी से बचाई जा सकती है। साँप काटने के तत्काल बाद निकट के अस्पताल

जाकर एक घण्टे के भीतर एंटीवेनम इंजेक्शन लगवाएं। यह इंजेक्शन रोवा जिले के सभी विकासखण्डों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं जिला अस्पताल में उपलब्ध है। समय पर इंजेक्शन लगने पर जान का खतरा समाप्त हो जाता है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा है कि साँप काटने के स्थान पर तीखी जलन होती है। पीड़ित को अवसाद, उल्टी आना, लकवा तथा आँख की पुतलियों के फैल जाने के लक्षण दिखाई देते हैं। विष का प्रकोप होने के बाद पीड़ित में मौसपेसियों में ऐंठन और चेतनाहीनता हो जाती है। इसके बाद साँस रुकने से मौत हो जाती है। विष का सर्वाधिक असर तंत्रिका तंत्र और साँस लेने में होता है। कई बार साँप के काटने के स्थान पर सूजन आ जाती है तथा काटा हुआ स्थान काला पड़ जाता है। साँप काटने के बाद हाथ पैरों

में झनझनाहट, चक्कर आना, पसीना छूटना, दम घुटना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। सर्पदंश के बाद तत्काल अस्पताल जाकर पीड़ित का उपचार कराएं। झोलाछाप डाक्टरों तथा झाड़फूक करने वालों के चक्कर में पड़कर समय न गवाएं। सर्पदंश से पीड़ित के काटने के स्थान से थोड़ा ऊपर हल्की पट्टी बांधें। काटने के स्थान पर चीरा भी न लगाएं इससे संक्रमण का खतरा रहता है।

जिले में अब तक 714.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

रीवा। जिले में पिछले चार दिनों से वर्षा का जोर बना हुआ था। जिले में 3 सितम्बर को वर्षा का जोर कम हुआ है। अन्य क्षेत्रों में वर्षा के कारण तराई के त्योंथर क्षेत्र में टमस तथा उसकी सहायक नदियों एवं रोवा में बीहर नदी का जल स्तर बढ़ हुआ है। जिले में 3 सितम्बर को 41.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दिन तहसील हुजूर में 42.8 मिलीमीटर, रायपुर कर्चुलियान में 42 मिमी, गुदु में 35 मिमी, सिरमौर में 52 मिमी दर्ज की गई।

उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों और कर्मचारियों को किया सम्मानित

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कृष्णाराज कपूर आडिटोरियम में आयोजित समारोह में विभिन्न क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया। निजी संस्था द्वारा आयोजित समारोह में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छे कार्य करने वाले लोक सेवकों को सम्मानित करने पर उन्हें अच्छे कार्य करने का प्रोत्साहन मिलता है। प्रशासनिक व्यवस्था में कई

अधिकारी और कर्मचारी अच्छा कार्य कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने समारोह में महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्यप्रदेश विद्युत मंडल, स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समारोह में सांसद श्री जनार्दन मिश्रा, पूर्व मंत्री श्री जय सिंह मरावी, श्री राजेन्द्र शर्मा तथा बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अतिवृष्टि के बाद जलभराव वाले क्षेत्रों में तेजी से बहाल हो रही सामान्य स्थिति

मऊगंज। कलेक्टर संजय कुमार जैन एवं पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र कुमार जैन ने प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। गौरी में घरों में भरे पानी की निकासी के लिए तहसीलदार द्वारा नाली खुलवाकर जल निकासी कराई गई। इसी प्रकार हरदी एवं शाहपुर में भी जलभराव वाले क्षेत्रों से पानी निकालने की व्यवस्था की जा रही है। शाहपुर में मोटर पंप के माध्यम से पानी निकासी का कार्य निरंतर जारी है। अधिकारियों की मौजूदगी में आवश्यक कार्रवाई करते हुए प्रभावित मार्ग को भी आवागमन के लिए खुलवाया गया जिले में अतिवृष्टि के बाद उत्पन्न जलभराव की स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव

कार्य निरंतर संचालित किए जा रहे हैं। राजस्व एवं पंचायत अमले द्वारा मौके पर पहुंचकर जल निकासी, आवागमन बहाली तथा अतिवृष्टि से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। राजस्व अमले द्वारा अतिवृष्टि से हुई क्षति का मौके पर पहुंचकर आकलन किया जा रहा है। कलेक्टर ने तहसीलदार को निर्देशित किया कि अतिवृष्टि से हुई क्षति का स्थल निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति का आकलन करें तथा जिन परिवारों के खाद्यान्न को नुकसान हुआ है, उनकी जानकारी संकलित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

श्रीकृष्ण के प्रसंग पर्यावरण संरक्षण, जीव-दया और सामूहिक सुरक्षा का देते हैं संदेश : उप मुख्यमंत्री

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल जन्माष्टमी पर्व के पावन अवसर पर कृष्ण राजकपूर आडिटोरियम में अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा द्वारा आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम मे समाज के प्रतिभावन छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 12 बजे रात्रि आराध्य देव श्री कृष्ण के जन्म उपरांत पूजा अर्चना और प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह में उप मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र, उनकी लीलाओं तथा श्रीमद्भगवद्गीता के सार्वभौमिक संदेशों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने समाज को अधर्म और दुष्ट प्रवृत्तियों से बचाने के लिए सतर्कता, धैर्य, कूटनीति और नैतिक संकल्प शक्ति अपनाने का आह्वान किया। इतिहास और पौराणिक

उप मुख्यमंत्री यादव महासभा के श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव में हुए शामिल

कालखंडों का उल्लेख करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि समाज में नकारात्मक एवं उपद्रवी तत्वों की उपस्थिति केवल वर्तमान कलयुग तक सीमित नहीं है, बल्कि द्वारपर और त्रेता युग में भी ऐसे तत्व विद्यमान थे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि द्वारपर युग में शिशुपाल जैसे लोग मौजूद थे, जो मर्यादा की सीमाओं को लांघने और व्यवस्था को क्षति पहुंचाने के लिए अतुर रहते थे। वर्तमान कलयुग में भी जब इस प्रकार के उपद्रवी लोगों का सामना होता है, तो समाज को हताश या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। यह समाज का नैतिक दायित्व है कि वह ऐसे तत्वों को पहचान करे, उन्हें समाज से किनारे करे और समय आने पर धर्म एवं न्याय की रक्षा हेतु उन्हें पूर्णतः परास्त भी करे। यही भगवान श्रीकृष्ण के जीवन



मूल्यों और आदर्शों को व्यवहार में उतारने का सच्चा मार्ग है। उप मुख्यमंत्री ने मानव जीवन के वास्तविक पथ-प्रदर्शन हेतु श्रीमद्भगवद्गीता के अमर ज्ञान को केंद्र में रखते हुए कहा कि चाहे रामलीला हो या कृष्णलीला, ये केवल कथाएँ नहीं हैं बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाले जीवंत माध्यम हैं। ये लीलाएँ

सिखाती हैं कि विषय परिस्थितियों में भी एक धर्मनिष्ठ जीवन कैसे जिया जाए। इस अवसर पर उन्होंने गीता के निष्काम कर्मयोग की पंक्तियों का स्मरण करते हुए कहा कि कर्म किए जा फल की इच्छा मत कर एे ईसान, जैसे कर्म करेगा वैसा फल देगा भगवान, यह है गीता का ज्ञान। लोक-कल्याण और अधर्म के नाश के लिए

भगवान श्रीकृष्ण द्वारा उठाए गए कदमों का स्मरण करते हुए श्री शुक्ल ने कहा कि बाल्यकाल से ही भगवान श्रीकृष्ण ने जन-सामान्य को अत्याचार से मुक्ति दिलाने का कार्य आरंभ कर दिया था। कंस के क्रूर अत्याचारों को समाप्त करने के लिए कंस वध, कालिया नाग का दमन तथा देवराज इंद्र के अहंकार को चूर कर मूसलाधार वर्षा से ब्रजवासियों एवं गौ-माताओं की प्राण-रक्षा हेतु विशाल गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर धारण करना, ये सभी प्रसंग पर्यावरण संरक्षण, जीव-दया और सामूहिक सुरक्षा का अद्वितीय संदेश देते हैं। अंत में उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने उपस्थित जनसमूह का आह्वान किया कि वे भगवान श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन से प्रेरणा लेकर समाज को संगठित,

जागरूक और धर्मनिष्ठ बनाने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि जब तक समाज अपने कर्तव्यों के प्रति सजग नहीं होगा और शांति की पहल के साथ-साथ अधर्म के प्रतिकार का साहस नहीं रखेगा, तब तक एक समरस और सुरक्षित समाज का निर्माण संभव नहीं है। समारोह में सांसद श्री जनार्दन मिश्र, पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी, अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष सखाराम यादव, सीएल यादव, संगीता राजेश यादव, राकेश यादव, डॉ. सुरेंद्र यादव, डॉक्टर शंकर लाल यादव, राम नरेश यादव, मनोज यादव, रेनु यादव, सूरज यादव, अवनीश यादव, दिलीप यादव, अशोक यादव, राजबहोर यादव, डॉ. शब्द सिंह यादव, राम कुशल यादव सहित यादव महासभा के अन्य प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।